

Karnataka Sangh's
Manjunatha College of Commerce,
khambalpada, Thakurli (E)

5.8.2023.

Notice

All the students are informed IQAC, Commerce Department has organised essay writing on the occasion of "World Friendship Day". Come and express your feelings about your own friend.

The schedule is as follows: -

Day, Date: - Monday, 7/8/2023

Venue: - F5 class room

Time: - 11am.

All are asked to participate in large number.



Dr. Sushila Vijaykumar
Principal.



Report of friendship Day celebration

11/08/2023

To

Principal,

Karnataka Sangh's Manjunatha college of Commerce,

Thakurli (E)

Subject: - Brief report of friendship Day celebration.

Madam,

This activity was organised by IQAC and Commerce Department on the occasion of World Friendship Day. 61 students participated in this event.

To celebrate World Friendship Day on 7/8/2023 the participants were asked to express their feelings or their thoughts about their own friends. It has notices that true and long lasting friendship is reducing after covid. Hence to enhance the true relationship the Participants are asked to write down their feeling about their own friends. They not only felt that their peers are only friends they have but their parents are their Frist friend whom they can share all their feelings and emotions. Some participants express about their own friends' strengths which they liked and hence the friendship has become more strong.

This is for your information

Thank you

Yours faithfully



Asso. Prof. Jayanthi Vaikunth


IQAC coordinator & Head Comm. Dept.



Asst. Prof. Nisha Deodhar

Convenor




Dr. Sushila Vijaykumar
Principal
Manjunatha College of Commerce
Kanchangaon, Khambalpada,
Thakurli (E) - 421 201.

Few essays on the occasion of friendship day on 07/08/2023

माझी पिय मैत्रीण नीचा नाव आहे मोनिका ही माझी जीवनात मैत्रीण आहे कारण ती माझ्या चालवणा पाहुण मैत्रीण आहे ती माझ्या मुला कुळाची माझी दार आहे मोनिका जोडी म्हणजे नस मुझे वांगी असो प्रामची न आहे

माझी मैत्रीण म्हणजे मोनिका ही फक्त फक्त मोनिका नसत असते नेसा प्रामो फिरोवना जातो तेथे अं छापना जातो तेथे रावच आहे आर वजाता मुद्धा ती मोनिक प्रामाची ती खुप बोलाची आझी दोघी मोकुन दुसऱ्या ती मोनिका घ्यावची.

तीना वेगवेगळ्या प्रकारे करणाना आवडत आणि वेगवेगळे तरी तीना रुग्ण करायना खुप आवडत आझी दोघी दोघी मिळाले ना आझीना कोणाच गर मसते आमचे गप्पा चानु असते.

आमचाच आमची दोघानची एक वेगळी दुतीया आहे ती असत मना प्रेम करत रागाच्या कामा सादी आणी अ ती मुठा तीचा प्रेम करत. तीनात मोवाची चानु न खुप आवडत.

मोनिका ही अशी पवती आहे ती मोनिका खुप मो आहे ती माझी छरी मैत्रीण आहे ती देवाचा छया करते ती देवात मना असो मैत्रीण फिनी.

and Today would like to tell about my friends

my friend name is priyanka whom i know she is very extroverted girl and she is always help to me in any situation and or any problem and she is always give me a suggestion if any problem will come than how to face. and our friendship will be forever and she is only my truth friends and our friendship will always trustable and our bonding will never end. and our friendship relation is will be complete 2 years and we both are never fit light and never break any one heart. and we both are always happy with each other.

I always happy with girl this girl was a great that i have friend with priyanka. And I always thank to god to give me best friend in my life.

KNOW YOUR FRIEND

मेरा नाम मुन्ना है। आज मैं Friendship Day के बारे में कुछ शब्द कहना चाहता हूँ।

मैंने तेरे बारे में बहुत सारे दिन हैं लेकिन उन ते अपने सबसे खरा / पिय मित्र के बारे में बताना चाहता हूँ। तेरे सबसे खरा / पिय मित्र का नाम अमित सिंह है। वह ते मेरे मित्र ही नहीं है। वह मेरे परिवार के एक सदस्य भी तरह है क्योंकि ते हर चीज के साथ रहना है जो चाहे खुद ही न हूय। जो बिना किसी स्वार्थ के मेरा साथ देता है।

आज मल वह अपनी पछी छोड़ कर वह मैत्री कर लेना है। रोम रात के देरी से हर करता है फिर भी वह रोम रात के मैत्रीय रा फिज करके दाल - चात ले लेता है। देखा मुझे मैं परिवार में सब मदद है, कोई सहायता तो नहीं है न बढ़ा ने लोग होते हैं जो अपने मित्र को ओर बढ़ाने नहीं देते हैं लेकिन आसि उल्लेखि है।

मे देखा मुझे आसि बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करत है और देखा मेरा साथ देता है। मैंने मैत्री मित्रता में रोम शायरी लिखी है मुझको चाहेंगे।

मैंने कहा है मित्रता करवा करनी है। मैत्राने वाला मिल जाए तो उसे दुनिया पाद करती है।

Thank You

मुझको है एक दोनो बिकरों में पडने है। मेरा दोनो रती बहुत ही मीठ और मजेदार है। वह हमेशा हमी मजाक करता रहता है, और कभी कभी तो लैकरों के भी प्रती करेने लगता है। जो को पुरा है हम सजा भी मिल जाती है, मुझके के हूरा।

रुखि मेरी दोघा देख करना है, किनी भी प्रकार की मजद है वह हमेशा ही मेरे साथ छड़ा रहता है। मेरी और अकी दोघी ज्योदा दिन की तो नह है। फिर भी वह मेरे है। रुखि हूने है, कि जेरे बचपन के दोस है। मैं तो अक्को अपि ऊध से भी ज्योदा मनना है।

मेरी मू और अकी हूने ही पुरा है, जो की हम हमेशा से साथ है तो कछि-कछि काषि कीसी छुगडा हो जता और हम दोनो में से किसी को कोई कुछ भी बोल दे है। इस न मैं मूब ज्योदा नही कूदना चाहता है, मेरा रुखि मेरे लिट मूब है। खुन को तो हूने पर मूब का है, जो खुन से भी छड़ा रि होना है।

आज महापर्वद्वारा पण धर्म, शाह त्याग। मि महानपणा पावून ओळखतो. ती एकदम चंचल मनाचा उवाह. व ती जास्त अभ्यास तर करत नाही वृत्ती पण पण हाडून पोतो. ती पर्वक मचावत कर कवीच. ठाम राहा नाही. त्याच मन वळण वळी करतु. साश्च बदलत जात. पण तो मनचि खूप चाळण आहे. मूझा खूप मदत करता. माझ्या तुझ्या-सुखता तीच आदी असतो. पण माझा वह लवण्यात पण तीच पुढे असतो. ती शब्द खूप फरवायचो मडम समोर ती मसत करायच आण मडम नाव पण त्यात, शायच मग काय! त्याच्या संगतीला फटक शायच. आता मला असा वारच मणम आहे की त्याच्या शिवाय, मी राहु शकते नाही आम्ही कुठे पण गेलो तर संगतीलाच जाणार. ममच्या वरतीचे लोक अडवण राम-राम म्हणून हक मीशतात. साधातत की मित्र जवळ असला की चिंता, वृ: 20 जवळ येत नाही ती एकदम जोकर आहे. हसवणारा. मला तर अस अश



Sushila
 Dr. Sushila Vijaykumar
 Principal
 Manjunatha College of Commerce
 Kanchangaon, Khambalpada,
 Thakurli (E) - 421 201.